



E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organizations - India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर - ५५

विक्रम संवत्सर - २०६७

वैशाख शुक्ल पक्ष ७, सोमवार, ५ अप्रैल २०१०

E-mail - egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com *Web site - www.e-gyan.net

5 April 2010, Monday



HIS HOLINESS MAHARISHI MAHESH YOGI JI

“His Holiness Brahmaleen Maharishi Mahesh Yogi Ji was Maharishi in the truest sense. One of the greatest spiritual teachers of world’s history, he was an ambassador of Indian eternal Vedic culture and knowledge for the globe, the epitome of world brotherhood and an extraordinary union of the Vedic tradition and the modern scientific knowledge. A phenomenon such as this can be witnessed today and will continue to be evaluated in all future.

Maharishi Mahesh Yogi Ji is the first and only Indian philosopher who systematically and scientifically introduced Vedic Knowledge, Meditation & Yog in the West and the entire world and proved through scientific researches that modern science, technology and the entire social sciences have their foundation in India eternal Ved and Vedic literature.

In the last several centuries there is perhaps no other Yogi or philosopher who has defined Vedic knowledge and science from a practical and human perspective. Maharishi Ji was born only to remind the world once more of the lessons of peace, prosperity, happiness and *Vasudhaiv kutumbakam* (the world is one family) and to explain to the world that *mantras* of Lord Rama ‘*Ramrajya*’ and Lord Krishna ‘victory of *dharma* on *adharm*’ are still as contextual as they were in the *Treta* and *Dwapar* yugas.

In 1976, a book was published “**Proclamations**”— global appreciation of Maharishi’s teaching —The Proclamations and Statements in this book have been selected from thousands of endorsements and expressions of appreciation that have been received for the Transcendental Meditation programme, science of creative intelligence and Maharishi’s world plan. Man of Hope Award has been given to him, who seeks to uplift the human spirit and combat despair in this troubled world.

In this edition of E-Gyan, I am publishing few of the many commendations, awards and keys that have been presented to His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji by Presidents of different States, Mayors, Senates, Governments, House of Representatives, Members of Parliament and Chancellors of universities world wide.

Dr. T. C. Pathak

For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Maharishi, Man of Hope 1970

U.S.A.
THE PROFESSIONS AND FINANCE DIVISION OF THE MERCHANTS CLUB
FOR THE
CITY OF HOPE



PRESENTS
"THE HOPE" AWARD
TO
HIS HOLINESS MAHARISHI MAHESH YOGI JI
WHO SEEKS TO UPLIFT THE HUMAN SPRIT
AND COMBAT DESPAIR IN OUR TROUBLED WORLD
1970

From the home of oracles - Greece

THE MUNICIPAL COUNCIL OF DELPHI, GREECE

Represented by the Mayor JOHANNES KOUMBLIS
and in unanimous resolution of the municipal council of Delphi,
has decided in its Assembly
on the 5th of July, 1973

TO PRESENT

To Maharishi Mahesh, the India philosopher and physical scientist, the Golden Medal of the city of Delphi, honoris causa, because the goals of the science of creative intelligence of which he is the founder, and of the technique of Transcendental Meditation which brings to light and actualizes all the latent potentialities of man, are found to be synonymous with the ideal of the Delphic Amphictyons* and the Delphic ordinances.

In Delphi on the 5th of July, 1973

The
Mayor



Johannes koumbilis



The Chairman of
The Municipal Council



Euthymios Christopou

* (Note: Delphi Amphictyons — the ancient assembly of all Greek which aimed at achieving the highest ideal of mankind.)

OFFICE OF THE MAYOR
SAN FRANCISCO

JOSEPH L. ALIOTO



Proclamation

The International Meditation Society will sponsor a World Plan Week - U. S. A.

The objectives of this plan are to develop the full potential of the individual; to improve governmental achievements; to realize the highest ideal of education; to eliminate the age-old problem of crime and all behavior that brings unhappiness to the family of man; to maximize the intelligent use of the environment; to bring fulfillment to the economic aspirations of individuals and society and to achieve the spiritual goals of mankind in this generation.

NOW, THEREFORE, I, Joseph L. Alioto, Mayor of the City and County of San Francisco, do hereby proclaim the week of November 9 through November 17, 1974, as WORLD PLAN WEEK-USA in San Francisco.

IN WITNESS WHEREOF, I have hereunto set my hand and caused the Seal of the City and County of San Francisco to be affixed this twenty-ninth day of October, nineteen hundred and seventy-four.



A handwritten signature in blue ink that reads 'Joseph L. Alioto'.

Joseph L. Alioto
Mayor

The following are some of the keys that have been presented to Maharishi Mahesh Yogi Ji, founder of the Science of Creative Intelligence.

Keys



KEY OF DADE COUNTY
FLORIDA, U.S.A.



KEY OF THE CITY OF
ATLANTIC CITY, NEW JERSEY,
U.S.A.



KEY OF THE CITY OF
MIAMI, FLORIDA, U.S.A.



KEY OF THE CITY OF
LOS ANGELES, CALIFORNIA, U.S.A.



KEY OF THE CITY OF
HOUSTON, TEXAS, U.S.A.

The following are some of the many awards that have been presented to Maharishi Mahesh Yogi Ji, founder of the Science of Creative Intelligence.

Awards



AWARD PRESENTED BY
THE MAYOR OF FIUGGI, ITALY
SPRING 1972



AWARD PRESENTED BY
THE RECTOR OF THE
UNIVERSITY OF HEIDELBERG,
HEIDELBERG, GERMANY,
SPRING 1974



AWARD PRESENTED BY
THE MAYOR OF THE
CITY OF WINNIPEG
MANITOBA, CANADA,
SPRING 1975



AWARD PRESENTED BY
THE CITY COUNCIL OF
SAN DIEGO, CALIFORNIA, U.S.A.



AWARD PRESENTED BY
THE MAYOR OF THE
CITY OF KNOKKE, BELGIUM,
WINTER 1975

श्री लक्ष्मण्डी महायज्ञ

सन्तों व वैदिक विद्वानों का प्रवचन, भजन संकीर्तन एवं श्री सुन्दर काण्ड

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह, गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम तथा महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज ज्योतिष्पीठाधीश्वर बद्रिकाश्रम हिमालय के दैवीय



संरक्षण में, परम् पूज्य ब्रह्मलीन महर्षि महेश योगी जी के दैवीय आशीर्वाद से एवं महर्षि संस्थान भारत के प्रमुख ब्रह्मचारी गिरीश जी के मार्गदर्शन में चैत्र नवरात्र 2009 से प्रारम्भ होकर चैत्र नवरात्र 2010 में "श्री लक्ष्मण्डी महायज्ञ" पूर्ण हुआ। इस नवरात्र में सन्तों व वैदिक विद्वानों का प्रवचन, भजन, संकीर्तन एवं श्री

सुन्दर काण्ड का आयोजन दिनांक 16 मार्च से 24 मार्च 2010 तक गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम, महर्षि शांति भवन परिसर, ग्राम छान, भोपाल में किया गया। नवरात्र के प्रारम्भ में कलश यात्रा निकाली गई जिसमें वैदिक पंडित, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 1.30 बजे तक देवताओं का पूजन, श्री चण्डी पाठ एवं सांय 5 बजे से 7.30 बजे तक विशिष्ट भारतीय विद्वानों के प्रवचन एवं भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।



श्री लक्ष्मण्डी महायज्ञ के आयोजक, ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि इस महायज्ञ से निश्चय ही राजस, तामस वृत्तियां नष्ट होंगी और सामूहिक चेतना में सतोगुण की अभिवृद्धि होगी और सभी को अपना-अपना अभीष्ट सुलभ होगा। उन्होंने कहा कि इस पवित्र महायज्ञ में सबकी प्रतिफल सहभागिता कल्याणकारिणी होगी।

श्री लक्ष्मण्डी महायज्ञ एवं चैत्र नवरात्र के अवसर पर प्रथम नवरात्रि के दिन ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने व्याख्यान में उपस्थित जनसमूह का आवाहन किया कि वह अपने वैदिक

ज्ञान के माध्यम से देश में ही नहीं वरन् सम्पूर्ण विश्व में राम राज्य की पताका फहरायें।

उन्होंने सभी का आवाहन किया कि वे महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रणीत वैदिक कार्यक्रमों, वैदिक दिनचर्या, भावातीत ध्यान एवं सिद्धि सूत्रों के माध्यम से समाज में नई संचेतना जाग्रत करें ताकि समाज में 'रामराज्य का स्वरूप' साकार हो सके। उन्होंने कहा कि आज के भौतिक युग में मनुष्य अपनी अनंत इच्छाओं की पूर्ति की दिशा में भ्रगमारीचिका के पीछे भागता रहता है परन्तु उसे शांति नहीं मिल पाती। किन्तु वैदिक प्रशासन, वैदिक दिनचर्या, वैदिक नियमों, वैदिक सिद्धांतों एवं उनके आचरण से



मानव सभी सुखों को प्राप्त कर जीवन के हर क्षेत्र में पूर्णता की प्राप्ति कर लेगा।

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि गुरु परंपरा से जो भी ज्ञान मिला है, उसे देश एवं विश्व के कोने-कोने में बांट कर सम्पूर्ण विश्व के लाखों, करोड़ों लोगों तक पहुंचाना है, उन्होंने कहा कि राम राज में 'रामराज दुख काहू न व्यापा' की व्याख्या है। रामराज में न तो कोई अज्ञानी था और न ही कोई बीमार पड़ता था, न कभी अकाल



आता था, और न ही कभी तूफान आता था, न कभी वर्षा की कमी होती थी। हर तरफ सुख ही सुख का योग था। आज स्थितियां भिन्न हो गई हैं, इसलिए वैदिक ज्ञान के माध्यम से हमें देश सहित सम्पूर्ण विश्व में रामराज लाना है ताकि चारों ओर शांति, सुख एवं समृद्धि दृष्टिगत हो। चैत्र नवरात्र में प्रत्येक दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। द्वितीय दिन शाम को श्रद्धालुओं ने भुवनेश शर्मा, कुलपति, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश के प्रवचन का रसास्वादन किया जिसमें उन्होंने नवरात्रि

के महत्व के बारे में उपस्थित जनसमूह को विस्तार से बताया एवं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश के पाठ्यक्रमों, वेद एवं वैदिक वांगमय के 40 क्षेत्रों एवं भावातीत ध्यान एवं सिद्धि कार्यक्रमों के बारे में जन समूह को अवगत कराया।

नवरात्रि के तीसरे दिन देवताओं का विधि-अर्चना से पूजन, श्री चण्डी पाठ, एवं हवन किया गया।

दूसरे सत्र में पंडित नारायणदत्त तिवारी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने व्याख्यान से मंत्र मुग्ध कर दिया। भावातीत ध्यान एवं सिद्धि कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत व्याख्यान देते हुए वेदों, उपनिषदों और पुराणों के महत्व पर प्रकाश डाला।



नवरात्रि के चतुर्थ दिन पंडित विजय द्विवेदी, ज्योतिषाचार्य, महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ ने वैदिक वांगमय एवं ज्योतिष विद्या के महत्व पर व्याख्यान दिया एवं पंचमी के दिन महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने उपस्थित लोगों को वैदिक ज्ञान एवं माँ भगवती के पूर्ण स्वरूप की जानकारी दी एवं कहा कि माँ भगवती-चेतना स्वरूप-सम्पूर्ण विश्व ब्रह्माण्ड में व्यक्त एवं अव्यक्त, चेतन एवं अवचेतन दोनों में व्याप्त हैं।



षष्ठी के दिन प्रातः काल के सत्र में देवताओं का पूजन एवं श्री चण्डी पाठ और हवन कार्यक्रम हुआ एवं सांयकाल, श्री हरि गोविन्द विश्व-सागर, देश के विख्यात भजन एवं आल्हा गायक एवं साथियों द्वारा संगीतमय देवी भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत किए।

सप्तमी के दिन प्रातःकाल में 250 ब्राह्मणों द्वारा प्रातः काल के सत्र में देवताओं का पूजन एवं श्री चण्डी पाठ और हवन कार्यक्रम हुआ एवं सांयकाल में पंडित नारायण दत्त तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक, भावातीत

ध्यान एवं सिद्धि कार्यक्रम ने व्याख्यान दिया।



अष्टमी के दिन, 23 मार्च मंगलवार को प्रातः के सत्र में श्री चण्डी पाठ एवं हवन कार्यक्रम ब्रह्मचारी गिरीश जी के मार्गदर्शन में हुआ एवं सायं सत्र में विश्वव्याख्यात रामायणी, पंडित लक्ष्मीकांत काण्डपाल एवं उनके सहयोगियों ने देवी भजन एवं गीत गाकर धार्मिक वातावरण को ओर अधिक भक्तिमय बना दिया। पंडित लक्ष्मीकांत एवं उनके सहयोगियों ने सुदंरकाण्ड की शास्त्रीय संगीत पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति दी।



चैत्र नवरात्रि के आखिरी दिन श्री चण्डी पाठ के बाद देवी-देवताओं का पूजन कर पूर्णाहुति दी गई। इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी के साथ-साथ महर्षि संस्थान के विभिन्न संगठनों से जुड़े सदस्यों के साथ-साथ भारी जनसमूह एवं अनेक विद्वान उपस्थित थे। समारोह के अन्त में ब्रह्मचारी गिरीश, कुलाधिपति महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश ने सभी वेदाचार्यों का सम्मान किया एवं इस अभूतपूर्व लक्ष्मणदी महायज्ञ के सफल संचालन के लिए साधुवाद दिया एवं 6 प्रमुख वेदाचार्यों को प्रमुख यज्ञाचार्य की 'मानद उपाधि' से सम्मानित किया। तदोपरांत कन्याभोज और प्रसाद वितरण हुआ जिसमें स्थानीय कन्याओं, बालकों एवं नागरिकों को भोजन कराया गया।



जय गुरु देव



Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya

[Recognised under UGC Act, Section 2 (f)]

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय भारत का प्रथम वैदिक विश्वविद्यालय है जो पूर्ण ज्ञान-विज्ञान के सिद्धान्त और प्रयोग को लेकर चेतना विज्ञान प्रधान शिक्षा के सिद्धान्त और प्रयोग के साथ आधुनिक भौतिक विज्ञान के विभिन्न विषयों की शिक्षा प्रदान करता है।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय में महर्षि जी द्वारा प्रतिपादित शिक्षा पद्धति, शिक्षा की ऐसी विशिष्ट शैली है जो चेतना के निरंतर विकास एवं चेतना के सर्वोच्च स्तर को प्राप्त करने का मार्ग प्रदर्शित करती है। इस शिक्षा पद्धति में छात्र महर्षि वेद विज्ञान, महर्षि वैदिक प्रबंधन एवं तकनीक का संपूर्ण सैद्धान्तिक ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर पूर्ण ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे छात्र को किसी भी परिस्थिति व वातावरण में अपनी असाधारण योग्यता से बौद्धिकतापूर्ण एवं सफलतापूर्वक कार्य करने की क्षमता प्राप्त होती है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता

चेतना का विकास

सृजनशीलता

उच्च स्तरीय जीवन

विश्वविद्यालयीन परिसर एवं मध्यप्रदेश के १७५ सहयोगी संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम

महर्षि वेद विज्ञान

आचार्य

- योग • ज्योतिष
- स्थापत्यवेद (वास्तु)

शास्त्री

- योग • ज्योतिष
- स्थापत्यवेद (वास्तु)

प्रमाण पत्र

- योग • ज्योतिष • स्थापत्यवेद (वास्तु)
- वैदिक स्वास्थ्य विधान

प्रबंधन विधान एवं कम्प्यूटर साइंस

बी.बी.ए., बी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए., ए.डी.सी.ए., डी.सी.ए.

DEC द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम

बी.कॉम., बी.ए., बी.सी.ए., सी.आई.सी.

शिक्षा/शारीरिक शिक्षा विभाग

बी.एड., डी.एड., बी.पी.एड., एम.ए. (शिक्षा),
विश्वविद्यालय परिसर- लमती, विजय नगर, जबलपुर
(मध्यप्रदेश)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

एम.बी.ए., एम.सी.ए., एम.एस.सी.(सी.एस.),
बी.एड. (दूरस्थ शिक्षा)

इग्नू, दिल्ली द्वारा प्रदत्त कन्वर्जेंस योजना के अंतर्गत दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित किये जा रहे पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	स्नातक पाठ्यक्रम	डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम
एम.बी.ए. (M.B.A.)	बी.एड. (B.Ed.)	पी.जी.डी.एफ.एम.(P.G.D.F.M.)
एम.पी.ए. (M.P.A.)	बी.एस.डब्ल्यू. (B.S.W.)	पी.जी.डी.एच.आर.एम.(P.G.D.H.R.M.)
एम.ए.आर.डी. (M.A.R.D.)	स्नातक पात्रता पाठ्यक्रम	पी.जी.डी.एम.एम.(P.G.D.M.M.)
एम.कॉम. (M.Com.)	बी.पी.पी. (B.P.P.)	पी.जी.डी.डी.ई.(P.G.D.D.E.)
एम.सी.ए. (M.C.A.)		पी.जी.डी.एच.ई.(P.G.D.H.E.)
एम.एस.डब्ल्यू. (M.S.W.)		पी.जी.डी.आर.डी.(P.G.D.R.D.)
		पी.जी.डी.डी.ई.(P.G.D.D.E.)
		पी.जी.जे.एम.सी.(P.G.J.M.C.)
		पी.जी.डी.एस.एल.एम.(P.G.D.S.L.M.)
		डी.एन.एच.ई.(D.N.H.E.)
		सी.ओ.एफ.(C.O.F.)
		सी.एफ.एन.(C.F.N.)
		सी.एन.सी.सी.(C.N.C.C.)
		सी.सी.पी.(C.C.P.)
		सी.आर.डी.(C.R.D.)
		सी.बी.एस. (C.B.S.)
		सी.पी.ई.(C.P.E.)
		डी.पी.ई.(D.P.E.)

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय

प्रशासनिक कार्यालय : ग्राम-करौंदी, पोस्ट-उमरियापान, जिला-कटनी फोन: ०७६२५-२८०१३४

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय-लमती, विजयनगर, जबलपुर, फोन: ०७६१-४०४६१५२, ४०७११५१

• E-mail : mmyvv@mahaemail.com, mmyvv.de@gmail.com, dde.mmyvv@gmail.com

• Web Site: www.mmyvv.com



Maharishi Vidya Mandir Schools Group

SELECTION OF MVM STUDENTS IN DIFFERENT COMPETITIVE EXAMS

MVM - TEZPUR

Talent Search Competition

Name	Class	Competition	Rank	Organiser	Level of competition
Abhik Dev	4 th	Talent Search	10 th	North-East Institute for Talent Search, Guwahati	State Level
Bhaskar Bora	4 th	Art	2 nd	Assam Sahitya Sabha Tezpur	State Level
Kristy Deka	1 st	Art	Cons.	Assam Sahitya Sabha Tezpur	State Level



Abhik Dev



Bhaskar Bora



Kristy Deka

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN SPORTS

MVM - I GUWAHATI

Moitry Phukan was the semi finalist of All Assam Junior Tennis Championship which was held at Duliajan in the month of January 2010.

Amlan Jyoti Baruah was the winner of the Sibsagar Tennis Tournament, Boys U-14 which was held in the month of January 2010.



Moitry Phukan



Amlan Jyoti

Achievements of MVM Students in Cultural & Other Co-curricular Activities

MVM - I GUWAHATI

University of Cambridge has organised ESOL Examination (English for speaker of other Language) on 4th & 5th December at Don Bosco. The following students selected for

KET – (Key English Test)

1. Kallol Deka,
2. Akanksha Baruah,
3. Sukanya Phukan

PET –

1. Rajnandan Sikdar,
2. Mridugunjan Deka.

Amrit jyoti Das and **Mrinmoy Kumar Sarmah** of class IX, stood **I position** in the state level science fair held at Regional Science Centre, Guwahati and got selection for the Eastern India Science Fair was held at **BITM (Birla Industrial of Technology and Museum)** and bagged the **Best Model Award**.

MVM - I KURUKSHETRA

National Handwriting and Colouring Contest was organised by Students Development Society 'Pune' and **Swati Sharma** class IX, **Chavi** class VII and **Harpreet** class IV have received **Kala Gourav Award**.

Maharishi Vidya Mandir Sr. Secondary School Chennai has organised an Essay writing Competition on the occasion of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji's birthday in senior group **Ishan Bhardwaj** class X and **Hitesh Bansal** Class VIII got II & III prizes respectively. A District level Painting Competition for 'Transport Safety' was organised by **Maruti Suzuki Karnal Motors Private Limited** in which **Swati Sharma** class IX got II prize **Simran** and **Neha** got Consolation Prizes.



International OYLMPIAD of Science was organised by Society of Science Education New Delhi. In which students of M. V.M Sanwla Kurukshetra participated, and 7 students got gold medals, 3 students got silver medals and 3 students got bronze medals.

S.No.	Gold Medals	Class	S.No.	Silver Medals	Class	S.No.	Bronze Medal	Class
1.	Himani	I	1.	Komal	I	1.	Sanskriti	I
2.	Shivam	II	2.	Harsh Barsod	II	2.	Rahil Khan	II
3.	Tanya Class	V	3.	Harshdeep	X	3.	Ankit Sharma	X
4.	Sonit Class	V						
5.	Neeraj	IX						
6.	Rajat Wadhwa	X						
7.	Amit Pal	XII						

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN NCC

MVM - I GUWAHATI

Satabdi Mahanta of class IX and **Gayatri Sharma** of class XI have been selected to attend **Republic Day Camp 2010** which was held at New Delhi in the months of December & January under 60 Assam Girls Bn. NCC.



Gayatri Sharma- 5th from right in the 2nd row, and Satabdi Mahanta — 1st row standing at the centre



Cultural Panorama – Performing group dance during the Republic Day Camp at New Delhi

RESULT OF NATIONAL LEVEL ESSAY WRITING COMPETITION**Organised by MVM National Office****(a) Junior Student Category:**

S.N.	Name of Student	Class	MVM	Rank
1	Saket Ku. Chawali	VIII – A	Seoni	1 st
2	Somya Ranjan Sahu	VIII – B	Bhubneshwar	2 nd
3	Vikrant	VII – A	Sector 36, Noida	3 rd

(b) Senior Student Category:

S.N.	Name of Student	Class	MVM	Rank
1	Sourabh Singh	IX – A	Chhatarpur	1 st
2	Divya Bisht	IX – B	Haldwani	2 nd
3	Pratiksha Paliwal	X – B	Narmada Road, Jabalpur	3 rd

BEST SUBJECT TEACHER (PGT & TGT)**PGT –**

S.N.	Name of Teacher	Subject	MVM
1	V. Senthil Kumar	Physics	Thanjavur
2	Mrs. Radha Sharma	Accounts	Raipur - I
3	K. Paramasivam	Tamil	Thanjavur
4	Mr. Manoj Nainwal	Music	Haldwani
5	Ms. Mridula Nautiyal	Hindi	Naini, Allahabad

TGT –

S.N.	Name of Teacher	Subject	MVM
1	C. Ramaprabha	Science (PCM)	Rajapalayam
2	Mrs. Abha Kuderia	Sanskrit	Bareilly
3	Shini K.	Social Science	Shoranur
4	M. Shiv Kumar	Science (CBZ)	Thanjavur

Maharishi Centre for Educational Excellence

Maharishi Institute of Management

(A Campus with KG to Post Graduate Level Education)



Let us mould your Children's future
and prepare them for leadership in the world



ABOUT US

MCEE-MIM Bhopal was established in order to offer value-based education to young generation. It offers KG to Post Graduate level education on one campus. MIM also has its branch campuses at Bangalore, Chennai, Hyderabad, Indore and Noida (Near Delhi)

Courses Offered

Nursery, KG, I to XII
(Affiliated to CBSE, New Delhi)
BBA, BCA, MBA, B.Ed. &
B.P.Ed.
Affiliated to Bhopal University
MCA affiliated to M.P.
Technical University

- ❖ Lush green, serene, peaceful, pollution free, half a million square feet, fully air-conditioned campus built according to Vastu Vidya, spread over 48 acre land.
- ❖ Spacious, hygienic and secure hostel facility separately for boys and girls.
- ❖ Daily practice of Yog, Maharishi's Transcendental Meditation and knowledge of Maharishi's Vedic Science and Technology.
- ❖ Well-equipped science lab and state of the art computer lab with 24 hours high speed internet connection & training software.
- ❖ Well-stocked library with reference books, vedic books and journals.
- ❖ Modern teaching methods and aids for concept clarity of various subjects.
- ❖ Hobby clubs - Vedic Science, Sports, Music, Health fitness, Organic Agriculture and Horticulture.
- ❖ Comfortable efficient bus service.
- ❖ Extended Campus hours for maximum interaction between teachers and students.

Locations of Maharishi Institute of Management in India

- * Bangalore : 080 -7282850,7282894
- * Bhopal : 0755 -2742936, 2742116
- * Indore : 0731-2857168
- * Maharishi Nagar : 0120 -2562655, 0120 - 2567603
- * Hyderabad : 040 -27762703, 27760707
- * National Office : 011-23739908, 23739909

FOR FURTHER INFORMATION ON ADMISSIONS, CONTACT US

MCEE-MIM Campus, Lambakheda,
Berasia Road, Bhopal -18 (M.P.)
Ph: 0755-2742935,36,38, 2742116 2747380, 2854367
Fax : 0755-2742937

- * E-mail : mimbhopal@yahoo.co.in, mim@mahaemail.com, principalmcee@rediffmail.com, mcee@mahaemail.com
- * visit us: www.maharishiinstituteofmanagement.com and www.mceeindia.com





Maharishi University of Management & Technology

Maharishi University of Management and Technology has been established with a special act enacted by the Government of Chhattisgarh in 2002.

Maharishi University of Management and Technology is providing a unique combination of modern course work in Modern Management and Computer Science and at the same time, enlivening all branches of Indian Vedic Literature in main stream of education.

MUMT has regular four campuses at Raipur, Bilaspur, Raigarh and Durg.

MUMT has acquired over 55 acres land in Bilaspur and construction of Academic and Administrative buildings have started recently. MUMT is in process of getting approval of UGC under section 2 (F). MUMT has received NOC of Distance Education Council-IGNOU to offer number of courses.

•web site: www.mumt.com •email: mumt@mahaemail.com

MAHARISHI MAHAVIDYALAYA

Maharishi Mahavidyalayas are established in 5 cities of Madhya Pradesh (Chhindwara, Mandla, Panna, Shajapur and Shivpuri). These colleges offer B.Ed. full time course. Shajapur & Shivpuri campus also offer D.Ed. and Chhindwara Campus offers B.P.Ed. From academic session 2010 all five campuses will also offer M. A. Education approved by Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya. Maharishi Mahavidyalaya are in process to seek approval from Ministry of Higher Education, Government of Madhya Pradesh for various Graduate & Post-Graduate courses.



Maharishi Institute of Vedic and Management Sciences



Maharishi Mahesh Yogi

Maharishi Institute of Vedic and Management Sciences

Associate Institution of

Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, (M.P.)

[Recognised by UGC Under Section 2 (F)]



Be Student of MIVMS with Pride

MIVMS is part of Maharishi Global Educational Movement spread over 100 countries. In India MIVMS is part of Educational Organisations having 2,50,000 Students and 10,000 Faculty/Teacher/Administrative and support staff having presence in 250 districts.

Available Courses

- Degree Courses: B.A., B.Com., B.B.A., B.C.A.
- Vedic Shastri Courses: Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu Shashtra)
- Diploma Courses: PGDCA (2 Semester), ADC A (2 Semester), DCA (2 Semester)
- Certificate Courses: Maharishi Vedic Science - Introduction, Yog, Jyotish, Sthapatya Ved (Vastu Shastra), Maharishi Vedic Swasthya Vidhan, Modern Office Management

Admissions Open for year 2010-2011 Session

22 BRANCHES ALL OVER MADHYA PRADESH

For further information, Courses, prospectus and admission, please contact:
ADMINISTRATIVE OFFICE: BHOPAL- PHONE: 0755-4276775 • **BRANCHES:**
 BHOPAL (RATANPUR)- PHONE: 9981993490, 9981993690 • BHOPAL (BERASIA)-
 PHONE: 07565-689696, 9981993697 • BALAGHAT- PHONE: 07632-240605,
 9981993696 • CHHATARPUR- PHONE: 9981993491 • CHHINDWARA- PHONE:
 9981993492 • DAMOH- PHONE: 9981993493 • JABALPUR (2 BRANCHES) -
 (I) NAPIER TOWN, OPP. MVM SCHOOL, PHONE: 0761-4011593, 9981993691
 (II) NEAR RAMPUR CHOWK, PHONE: 0761-4016659, 9981993695 • KATNI- PHONE:
 07622-235655, 9981993698 • MAIHAR (SATNA)- PHONE: 9981993497 • MANDLA-
 PHONE: 07642-260338, 9981993694 • KHARGAON- PHONE: 9981993498
 • MORENA- PHONE: 9981993499 • NARSINGHPUR- PHONE: 9981993500
 • OBAIDULLAGANJ (RAISEN)- PHONE: 07480-224462, 9981993699 • PANNA-
 PHONE: 9981993501 • SAGAR- PHONE: 9981993502 • SEONI- PHONE: 9981993503
 • SHAHDOL- PHONE: 9981993504 • SHAJAPUR- PHONE: 9981993505 • SHIVPURI-
 PHONE: 9981652548 • TIKAMGARH- PHONE: 9981993507.

•web site: www.mivms.com •email: mivms@mahaemail.com

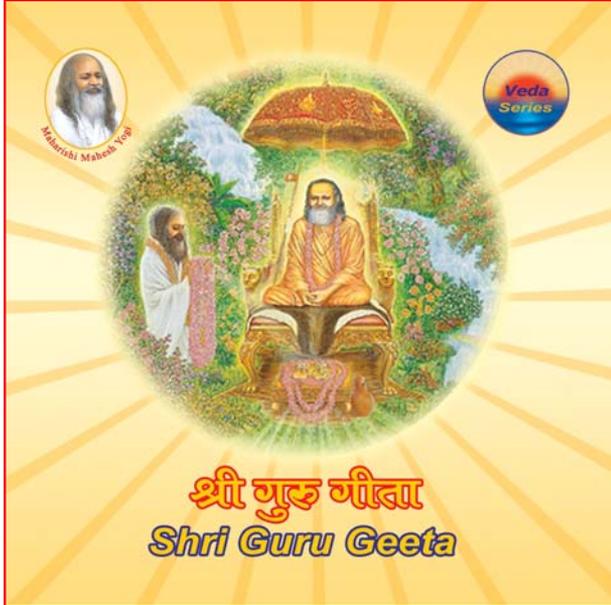


Veda Series

श्री गुरु गीता

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।

गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥



गुरु सम्पूर्ण ज्ञान के स्रोत और आनन्द तथा करुणा के अनन्त सागर हैं। गुरु यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी व्यक्ति अज्ञान और माया के प्रभाव से मुक्त रहें और स्वधर्म पालन करते हुए जीवन के मूल उद्देश्य-मोक्ष के राजपथ पर अग्रसर हों।

गुरु की उपस्थिति, उनका भगवत् स्वरूप दर्शन आनन्द दायक, प्रेरणा दायक, आत्म प्रकाशक, जीवन ज्योति प्रदीपक, अखण्ड शांति प्रदायक और विकासवान है। गुरु अभिभावक की भूमिका भी निभाते हैं और देवताओं की अपने भक्तों के प्रति वरदायी प्रकृति की भाँति गुरु भी प्रत्येक मनुष्य को समस्त संभावित उत्कर्षों से परिपूर्ण करना चाहते हैं और उनकी चेतना को ब्राह्मीय चेतना के स्तर पर प्रतिष्ठापित करना चाहते हैं।

किसी भी भाषा की शब्दावली गुरु महिमा की गाथा के लिए पर्याप्त नहीं है। अतः हम केवल आत्माभिव्यक्ति से ही श्री गुरु के चरणों में कोटिशः प्रणाम करते हैं और उनके भगवद् स्वरूप

की आराधना करते हैं। न गुरोरधिकम् न गुरोरधिकम् न गुरोरधिकम् न गुरोरधिकम् गुरु गीता गुरु महिमा की अनन्त गाथा है। जयगुरुदेव।

Shri Guru Geeta

*Gurur-Brahma Gurur-Vishnuh Gurur-Devomaheshwarah
Guruh Saakshat Param Brahma tasmai Shri Gurave namah.*

The Guru is Brahma, the Guru is Vishnu and the Guru is Maheshwara—Shiva. Veneration to the Guru, who is Parabrahma— manifest Totality.

The Guru is the fountainhead of pure knowledge and the infinite ocean of bliss and compassion. He lovingly guides his disciples on the path of righteousness, freeing them from the overshadowing influence of ignorance and illusion, and leading them to the ultimate goal of human life—Enlightenment.

His very presence—divine Darshan—is enjoyable, inspiring, elevating, self-illuminating and radiating the light of life and the deep experience of perpetual peace. The Guru has a parental role, naturally wishing to bestow every fortunate thing on his disciples—all that any Devata could ever bestow upon his devotee. He desires that his disciples rise to Unity.

Consciousness—the supreme level of life, which is the pure Unified Field of all possibilities.

There are no words in any language adequate to express the glory of the Guru. Thereby we can only express our gratitude, pay homage and bow down to his lotus feet, and revere him as Divinity. There cannot be anything in life greater than the

Guru: Na Guroradhikam, na Guroradhikam, na Guroradhikam.

The Guru Geeta sings the glory of Shri Guru. All Glory to Shri Guru Dev. Jai Guru Dev

Vedic Arts & Crafts Promotions

A-116, Defence Colony, New Delhi-110 024

• Phone: 011-24332207 • Fax: 011-24332206

• Website: www.vedic-arts.com • E-mail: vedicarts@mahaemail.com

Veda Series

Village-Chhan, Bhojpur Temple Road, Post-Misrod,

Distt.-Bhopal (M.P.) 462 047 INDIA

Phone: 0755-4087351 • Fax: 0755-4087311

Website: www.vedaseries.com • E-mail: edaseries@mahaemail.com

महर्षि ज्योतिष की दृष्टि में - अप्रैल माह

अप्रैल सन् 2010 का आरम्भ शुद्ध वैशाख कृष्ण तृतीया से होगा तथा इसका अन्त अधिक वैशाख कृष्ण द्वितीया से होगा। इस वर्ष वसन्त ऋतु का विस्तार 14 मार्च से 14 मई तक रहेगा। अतः सम्पूर्ण अप्रैल माह वसन्त ऋतु के अन्तर्गत है। इस मास में 14 अप्रैल तक शुद्ध वैशाख कृष्ण पक्ष होगा तदनन्तर 15 अप्रैल से 28 अप्रैल तक अधिक वैशाख शुक्ल पक्ष तथा 29-30 अप्रैल अधिक वैशाख कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा एवं द्वितीया के अन्तर्गत है।

इस वर्ष वैशाख मास में ही अधिमास लग रहा है। जिस चान्द्रमास में सूर्य की संक्रान्ति न हो उसे अधिमास कहते हैं। इस मास में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक सूर्य की संक्रान्ति नहीं होगी। अतः इस वर्ष शुद्ध और अधिक संज्ञा वाले दो वैशाख मास पड़ रहे हैं। अधिक मास का विस्तार 15 अप्रैल 2010 से 14 मई 2010 तक रहेगा।

ब्रह्म सिद्धान्त के अनुसार अधिक मास को मलमास भी कहते हैं। पुराणों में भगवान् ने इस मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा है। अधिमास में श्राद्ध, दान तथा अन्य नित्यकर्म किये जाते हैं तथा विवाह-उपनयन यज्ञ आदि शुभ कार्यों का निषेध किया गया है।

इस माह में 14 अप्रैल को मेष संक्रान्ति के अवसर पर छत्र, व्यजन, जलपूर्ण घट सहित सत्तू दान का विशेष महत्त्व है। इसी दिन हरिद्वार कुम्भ में प्रधान शाही स्नान होगा।

अप्रैल माह में आने वाले व्रत, पर्व, त्यौहारों की सूची

क्र. व्रत-पर्व-त्यौहार	मास पक्ष	तिथि	संवत्	दिनांक
1. संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी	शुद्ध वैशाख कृष्ण पक्ष	चतुर्थी	2067	02-04-2010
2. शीतला अष्टमी	शुद्ध वैशाख कृष्ण पक्ष	अष्टमी	2067	06-04-2010
3. चण्डिका नवमी	शुद्ध वैशाख कृष्ण पक्ष	नवमी	2067	07-04-2010
4. वरुथिनी एकादशी	शुद्ध वैशाख कृष्ण पक्ष	एकादशी	2067	10-04-2010
5. अमाव्रत, मेष संक्रान्ति	शुद्ध वैशाख कृष्ण पक्ष	अमावस्या	2067	14-04-2010
6. मलमास (पुरुषोत्तम मास) प्रारंभ	अधिक वैशाख शुक्ल	प्रतिपदा	2067	15-04-2010
7. वैनायिकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत	अधिक वैशाख शुक्ल	चतुर्थी	2067	18-04-2010
8. पुरुषोत्तमी एकादशी व्रत	अधिक वैशाख शुक्ल	एकादशी	2067	24-04-2010
9. सोम प्रदोष व्रत	अधिक वैशाख शुक्ल	त्रयोदशी	2067	26-04-2010
10. स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा	अधिक वैशाख शुक्ल	पूर्णिमा	2067	28-04-2010

पंचक विचार- इस माह में 7-4-2010 को रात्रि 2 बजकर 26 मिनट पर पंचक प्रारम्भ होगा तथा 12-4-2010 को रात्रि 12 बजकर 24 मिनट पर पंचक समाप्त होगा।

मास प्रभाव- इस माह में गेहूँ, चावल, उड़द, मूंग, सरसों, खनिज धातुओं में सोना, चांदी, लोहा इस्पात के भावों में मंदी का योग है। 15 अप्रैल के बाद तिलहनों व सोना चांदी में तेजी का रुख रहेगा।

उग्रवाद में वृद्धि का संकेत है। पश्चिमी देशों में युद्ध ज्वाला से वातावरण अशान्त रहेगा। धार्मिक स्थलों पर उग्रवाद जन्य विस्फोटों के संकेत मिलते हैं। कहीं-कहीं प्राकृतिक प्रकोप एवं असामयिक वृष्टि आदि से जन-धन की हानि का योग है।

जनता में सत्व वृद्धि हेतु पूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रतिपादित भावातीत ध्यान-सिद्धि कार्यक्रमों का अनुसरण करने से जनता-जनार्दन और राष्ट्रों को सुख-शान्ति का अतिशय लाभ होगा।

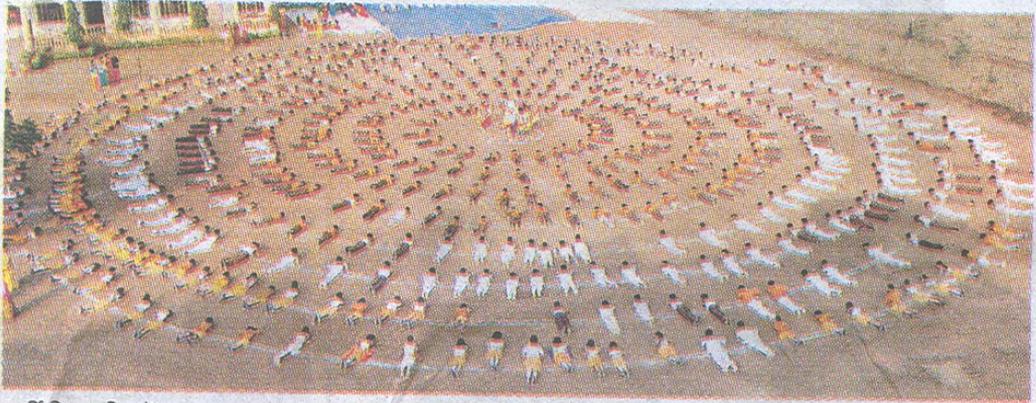
“जय गुरु देव”, “जय महर्षि”

(पं. विजय द्विवेदी, ज्योतिषाचार्य)

NEWS CLIPPING

पत्रिका
इंदौर, बुधवार 13 जनवरी, 2010

बच्चों ने किया सूर्य नमस्कार



महर्षि विद्या मंदिर में इस तरह हुआ सूर्य नमस्कार।

— शंका तिवारी

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

खेल

मैन आफ द सीरीज के प्रबल दावेदार...

संपादकीय

हमारी कमजोरी बन रही उनकी ताकत

देश

आम

वर्ग 4 अंक 251 || पृष्ठ 12+4=16 || इंदौर, बुधवार 13 जनवरी 2010 || मूल्य 2.00 रु. || इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर से प्रकाशित

1 करोड़ बच्चों ने किया सूर्यनमस्कार

प्रदेश की सभी शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में मंगलवार को 1 करोड़ बच्चों द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया। नेपाल के आदर्श उज्वल माध्यमिक विद्यालय में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सामूहिक सूर्य नमस्कार में शामिल हुए। चित्र में खरगोन में सामूहिक सूर्य नमस्कार करते छात्र-छात्राएं।



Maharishi Movement Global News

Maharaja Adhiraj Rajaraam: The universality of Raam, the Unified Field of Natural Law — the most essential and basic aspect of life for everyone

On 24 March, during the global celebration of Raam Navami—the awakening of ideal administration through total Natural Law, which administers the entire universe—Maharaja Adhiraj Rajaraam, First Ruler of the Global Country of World Peace, gave a beautiful address to the assembled leaders of his global administration.

Maharaja explained that in his teaching, Maharishi Mahesh Yogi had brought out the significance of Raam and the full value of the universality of Raam, the Unified Field, and made it the most essential and basic aspect of life for everyone.

Maharaja's address followed the video replay of Maharishi's historic address from the 2007 Raam Navami global celebration. Having listened to Maharishi's profound words, Maharaja said that Maharishi has made Raam a living reality for every individual in the world.

'Maharishi has given to the world the full expression of the value of Raam', Maharaja said, 'and made it not only significant but the most essential, most important, most basic aspect of life for every individual, every society, every culture, every tradition, and even every religion or spirituality.'

'In the Vedic Tradition we have the knowledge of Veda maintained on the level of sound by the Vedic Pandits,' Maharaja continued. 'The entire Vedic Literature is available, thanks to that supreme tradition of life that has maintained the Constitution of the Universe, the sounds, the vibrations of Natural Law that become every aspect of creation—the whole physiology, the cosmos, the stars, the planets, and the whole universe—constructed, acting, and evolving on the basis of laws.'

Maharaja explained that with the great scientists that Maharishi inspired—Dr. John Hagelin, Dr Volker Schanbacher, and others— 'Maharishi has shown how these sounds of the Veda are the reverberations of Natural Law in their structure and expression and how they are the reverberations of the Unified Field that become the laws of nature and physical matter, and then structure our entire life and living and the whole universe.'

'The Vedic Tradition has cherished the tradition of Raam from the tradition of the Sun-Surya-Ravi. Maharaja continued. 'And while adoring and respecting and maintaining that tradition and upholding it in every way, Maharishi has really given to us the full value of the universality of the reality of Raam, the reality of Veda, and all aspects of the expressions of Veda.'

Maharaja said that in Maharishi's address from 2007, 'Maharishi takes [the reality of Raam] to the source, and expresses Raam and Veda and the feelings of knowledge and understanding of knowledge, the expressions of knowledge, the analysis of knowledge, all at the source in one's own individual pure Being—the Self of everyone, the Self of everything, the Unified Field of Natural Law, that is the source of everything.'

A farmer is 'the father of the nation

The new four-day, 16-lesson course on Maharishi Vedic Organic Agriculture and Gardening, gives profound insight into the biology of soil and the plants that take their nourishment from the soil, and places it all in the context of the whole system of the Earth, the planets, and the universe.

Developed and led by Dr Peter Swan, Minister of Communication for the Global Country of World Peace and an expert in Maharishi Vedic Organic Agriculture, the course was recently offered for the first time in Great Britain at Maharishi European Sidhland in Skelmersdale, Lancashire and then at Maharishi Garden Village in Suffolk. This was followed by a two-day course on microscopy, which gave an understanding and analysis of soil and all that happens within it.

Raja Peter Warburton, Raja of Great Britain for the Global Country of World Peace, recently commenting on the course, said that he realized Dr Swan had been developing it for the last forty years.

Reviewing the understanding presented by Dr Swan, Raja Peter said that year after year the soil is becoming degraded as a result of modern agriculture, which is based on fertilizers, pesticides, and chemicals, and now combined with genetic modification of plants. Every attempt to improve agriculture is basically having the opposite effect—making the food more poisonous and increasing the amount of weeds, pollution, diseases, and harmful effects on the environment.

Raja Peter commented that before the Second World War, agriculture was almost all organic agriculture; nothing else was known. After the war, in order to produce food more quickly to compensate for its devastating effects, pesticides and fertilizers were used. Large amounts of fruits and vegetables were produced, but they did not contain the same level of nutrition as before and the plants were not as strong; they became more susceptible to different pests and bacteria.

More recently, genetic engineering has brought other complications, and ‘like everything based on partial knowledge’, Raja Peter said, ‘in the long run it has the reverse effect’ to what is expected.

‘The Maharishi Vedic Organic Agriculture and Gardening course gave not just an overview of organic agriculture, which is working with nature, but Maharishi Vedic Organic Agriculture,’ Raja Peter said, ‘not just the very best of modern organic agriculture, but a very deep understanding from a modern point of view of how the soil functions and how plants can proliferate in the most healthy and nutritious manner—and then connecting that with the totality of Maharishi Mahesh Yogi’s knowledge of point value and infinity from the unified value of totality to the most expressed value.

India to host international courses for members of Global Country of World Peace

Plans are underway for the offering of international courses for Teachers of the Transcendental Meditation Programme and other Yogic Flyers, at the Global Capital of World Peace in the Brahmasthan (geographical centre) of India.

These courses will take place at one of the constructed campuses in the Brahmasthan, said Raja Paul Potter, Raja of Invincible Canada for the Global Country of World Peace, speaking recently on Maharishi Global Family Chat.

‘We hope to have 100 out of the 600 potential rooms on this campus available by January 2011 from which to offer courses in Maharishi’s Vedic Science,’ he said. Participants will also enjoy traditional Vedic recitations by Maharishi Vedic Pandits and, ideally, treatments at a Maharishi Ayur-Veda health clinic, which Raja Paul expects to be, included as part of the course facilities.

Raja Paul hopes that international course participants, during their stay in India, will also have the chance to take a pilgrimage to the Jyotir Linga for their home country. ‘This will bring great inspiration to participants, as well as bringing their attention to the project to establish 8,000 Maharishi Vedic Pandits in the Brahmasthan of India.’

He concluded by saying that, after attending such courses, Transcendental Meditation Teachers and Yogic Flyers will bring new energy to implementing and expanding Maharishi’s programmes in their countries.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

E-Gyan Monthly News Letter

Reminder

Dear Readers,

I am happy to release this tenth edition of E-Gyan Monthly Digital News Letter. Previous editions of E-Gyan have been published and circulated amongst you. In every edition of E-Gyan I am requesting you to send news from your relevant field. But we are not receiving enough news. Please start sending the news in either Hindi or English. **E-Gyan Monthly News Letter** will be released in the first week of every calendar month. E-Gyan matter must be received by 15th of every month.

E-Gyan Monthly Digital News Letter will be circulated to all members, employees, well wishers and students of all Maharishi Organizations in India and also to millions of Meditators, Sidhas, Governors, leaders and devotees of Maharishi Global Organisations around the Globe.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
3. Present student strength course wise, subject wise, class wise, branch wise in different Maharishi Educational Institutions.
4. Announcement of any new course offering and its schedule with course details and venue.
5. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
6. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
7. Special achievement of any Maharishi Organisation.
8. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
9. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
10. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
11. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
12. Outstanding performance of ex-students.
13. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or Organisation.
14. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, website.
15. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
16. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
17. Launching of new product with details, availability, and price.
18. Details of products already in market.
19. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.

20. Offering Vedic solution to any social problem.
21. Performance of any special Anushtan or Yagyas.
22. Vedic celebration reports.
23. Excursion tour reports.
24. Corporate visit, corporate training etc.
25. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
26. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
27. Report on academic or commercial collaborations.
28. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
29. Report on monthly Initiations in TM, Sidhi course and Advance Techniques.
30. Report on activities of Maharishi Global Movement.
31. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, leaders, members, faculty, staff, students, meditators, Sidhas and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through email (egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com) as word document file (or in a CD to Dr. T. C. Pathak, Maharishi Centre for Educational Excellence Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462018). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports. Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit www.e-gyan.net web site.

With All the Best Wishes in Maharishi's Third Year of Invincibility - Global Ram Raj.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Dr. T.C. Pathak

For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Copyright © 2010 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan

All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.

Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087351